विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -पंचम, विषय -हिंदी' दिनांक-29-05-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित पाठ-5 सुमन एक उपवन के (कविता)

सुप्रभात बच्चों,

आज की की कक्षा में कविता दिया जा रहा है-

हम सब सुमन एक उपवन के।

एक हमारी धरती सबकी

जिसकी मिट्टी में जन्मे हम

मिले एक ही धूप हमें है

खींचे गए एक जल से हम।

पले हुए हैं झूल- झूल कर

पलनो में हम एक पवन के।

हम सब सुमन एक उपवन के।

सूरज एक हमारा ,जिसकी

किरणें उर की कली खिलाती

एक हमारा चांद ,चांदनी

जिसकी हम सब को नहलाती

मिले एक से स्वर हमको हैं

भ्रमरो के मीठे गुंजन के।

हम सब सुमन एक उपवन के।

रंग -रंग के रूप हमारे

अलग -अलग है क्यारी -क्यारी

लेकिन हम सबसे ही मिलकर

इस उपवन की शोभा सारी

एक हमारा, माली हम सब

रहते नीचे एक गगन के।

हम सब सुमन एक उपवन के।

कांटो में खिलकर हम सब ने

एक सूत्र में बंधकर हमने

हार गले का बनाना सीखा

सबके लिए सुगंधा हमारी

हम श्रृंगार धनी- निर्धन के।

हम सब सुमन एक उपवन के

-----द्वारका प्रसाद महेश्वरी

गृह कार्य:-

दिए ,गए कविता को याद करें।